

सम्पादकीय

आरक्षण का दृष्टि

चुनाव के माहौल में अरक्षण का राजनीतिक द्रुत खुल कर उभरा दोनों पक्ष की अपनी अपनी धरणाये हैं। द्रुत ताकिंगन न होकर भावनावालक रहा जो मतदाताओं को लुभाने का आसान तरीका होता है। इसमें पार्टियों गजब सकारात्मकों को अनन्त अपनी धरणायें हैं। अरक्षण केन्द्र धर्म रहा है। पहला प्रसन्न है सविधान के अनुसार भारत एक धर्म नियेष्ठ देश है। वहाँ धर्म का आरक्षण क्या उचित है। सविधान के आर्टिकल 15 (4) में कहा गया है कि किसी भी नारिक के किसी भी सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग या एसपी और एसटी की उन्नति के लिये विशेष प्रावधान करने को अधिकार राज्यों के पास निहित रहेगा। आर्टिकल 15 में राज्यों को केवल धर्म, जाति, लिंग, नस्ल और जन्म स्थान के साथ के अधार पर नारिकों के साथ भेद भाव करने से रोकता है। ऐसे में क्या एसपी, एसटी, ओबीसी, का कोटा कम कर धर्म के अधार पर आरक्षण सम्भव है।

सविधान सभी के लिये समान व्यावाह को सन्दर्भित करता है। पर साथ ही एसपीसिंह, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े कई समूहों के अरक्षण की व्यवस्था भी करता है। सुप्रीम कोर्ट की धरणा है कि समानतन के कई पहलाओं और अपनी धरणों के साथ एक गतिशील अवधारण है। पारिषद्धिक सीमाओं के भीतर बांधा या सीमित नहीं किया जा सकता।

केरल राज्य नवाम एनएस थामस (1975) मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का बाद अरक्षण को आर्टिकल 15 (1) और 16 (1) के समानता, और भेदभाव खन्डों का अपवाद नहीं समानता सूची में सभी मुस्लिम समूहों को शामिल कर लिया गया है। इसे लेकर भयानक वैचारिक लडाई चल रही है। मन्डल आपाने नियंत्रित करते हुये 3743 जातियों को मिलाकर ओबीसी को 27 प्रतिशत, अरक्षण दिया था। आयोग ने कई राज्यों द्वारा निर्धारित उदारण का अनुसरण करते हुये मस्लिम अबादी के लगभग 82 प्रतिशत हिस्से ओबीसी की सूची में डाल दिया इन्द्रा सहानी केस (1992) में सुप्रीम कोर्ट ने निर्धारित किया कोई भी सामाजिक समूह जिसकी धार्मिक पहचान कुछ भी हो अब वह समान मानदंडों के अनुसार पिछड़ा पाया जाता है तो वह पिछड़ा वर्ग माना जायेगा।

मन्डल आयोग में मुस्लिम कोर्ट को धर्म के अधार पर नहीं हिन्दू जातियों के लिये सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने की वजह से समाजिक किया है। कर्तव्य समाजकर मुस्लिमों को ओबीसी कोटे से अलग कर अरक्षण दे रही है। धर्म अरक्षण 1936 में जातियों के लिये राज्य में शुरू हुआ था। 1952 में साम्प्रदायिक अरक्षण से बदल दिया गया। मुस्लिम ओबीसी में समाहित हुये। तामिलनाडु में 95 प्रतिशत मुस्लिम समाज अरक्षण से लभान्वित है। विहार में ओबीसी पुरिसिंह को सबसे पिछड़े वर्गों में विभाजित किया गया है। राशी पिछड़ा वर्ग आयोग किसी सम्मदय के पिछड़ेरान के लिये उपर्युक्त समाजिक स्थिति के कई संकेत की पोहचान की है। मन्डल आयोग ने गैर हिन्दू समूहों में पिछड़ेरान को पहचान का सुझाव दिया है। पर धर्म पर अरक्षण की सिपारिश नहीं की है। 2006 में कांग्रेस ने सचिव आयोग का गठन किया। इसमें मुसलमानों को सामाजिक अर्थात् शैक्षणिकी राजनीतिक स्थिति के कई संकेत की पोहचान की है। मन्डल आयोग ने गैर हिन्दू समूहों में पिछड़ेरान को धरणा जाना चाहिए।

खाद्यान्नों के मामले में आत्मनिर्भर होता

सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

एसपी विज्ञापन दिया रहा होगा। पर क्या अपने आजकल गत वर्षों में एसा कुछ विज्ञापन देखा है...? इसका जबाब होगा विलक्षण नहीं। इसका मतलब यही हुआ न कि अब हमारे यहाँ वैसी स्थिति नहीं है जैसी पहले एक वर्षों की अद्यता थी। अब तो यह स्थिति है कि अब वह हमारी उत्पादन में विश्व में प्रमाण चाल में द्वितीय, गेहूँ, में, तीसरी एवं चीनी उत्पादन में दूसरे, कपास में भी दूसरा स्थान पर है। देश में चालक का सविकारिक उत्पादन करने वाला राज्य में शुरू हो चुका है। इस संबंध में जातियों का धरणा के लिये उपर्युक्त समाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने की वजह से भावित किया गया है। किंतु एक वर्षों के लिये उत्पादन करने वाले एवं विविध अवधिकारी हैं, मध्यप्रदेश आज कई मायानों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्मनिर्भर हो चुका है। इस संबंध में जातियों का धरणा के लिये उपर्युक्त समाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने की वजह से भावित किया गया है। किंतु एक वर्षों के लिये उत्पादन करने वाले एवं विविध अवधिकारी हैं, मध्यप्रदेश आज कई मायानों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्मनिर्भर हो चुका है। इस संबंध में जातियों का धरणा के लिये उपर्युक्त समाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने की वजह से भावित किया गया है। किंतु एक वर्षों के लिये उत्पादन करने वाले एवं विविध अवधिकारी हैं, मध्यप्रदेश आज कई मायानों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्मनिर्भर हो चुका है। इस संबंध में जातियों का धरणा के लिये उपर्युक्त समाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने की वजह से भावित किया गया है। किंतु एक वर्षों के लिये उत्पादन करने वाले एवं विविध अवधिकारी हैं, मध्यप्रदेश आज कई मायानों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्मनिर्भर हो चुका है। इस संबंध में जातियों का धरणा के लिये उपर्युक्त समाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने की वजह से भावित किया गया है। किंतु एक वर्षों के लिये उत्पादन करने वाले एवं विविध अवधिकारी हैं, मध्यप्रदेश आज कई मायानों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्मनिर्भर हो चुका है। इस संबंध में जातियों का धरणा के लिये उपर्युक्त समाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने की वजह से भावित किया गया है। किंतु एक वर्षों के लिये उत्पादन करने वाले एवं विविध अवधिकारी हैं, मध्यप्रदेश आज कई मायानों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्मनिर्भर हो चुका है। इस संबंध में जातियों का धरणा के लिये उपर्युक्त समाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने की वजह से भावित किया गया है। किंतु एक वर्षों के लिये उत्पादन करने वाले एवं विविध अवधिकारी हैं, मध्यप्रदेश आज कई मायानों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्मनिर्भर हो चुका है। इस संबंध में जातियों का धरणा के लिये उपर्युक्त समाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने की वजह से भावित किया गया है। किंतु एक वर्षों के लिये उत्पादन करने वाले एवं विविध अवधिकारी हैं, मध्यप्रदेश आज कई मायानों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्मनिर्भर हो चुका है। इस संबंध में जातियों का धरणा के लिये उपर्युक्त समाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने की वजह से भावित किया गया है। किंतु एक वर्षों के लिये उत्पादन करने वाले एवं विविध अवधिकारी हैं, मध्यप्रदेश आज कई मायानों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्मनिर्भर हो चुका है। इस संबंध में जातियों का धरणा के लिये उपर्युक्त समाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने की वजह से भावित किया गया है। किंतु एक वर्षों के लिये उत्पादन करने वाले एवं विविध अवधिकारी हैं, मध्यप्रदेश आज कई मायानों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्मनिर्भर हो चुका है। इस संबंध में जातियों का धरणा के लिये उपर्युक्त समाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने की वजह से भावित किया गया है। किंतु एक वर्षों के लिये उत्पादन करने वाले एवं विविध अवधिकारी हैं, मध्यप्रदेश आज कई मायानों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्मनिर्भर हो चुका है। इस संबंध में जातियों का धरणा के लिये उपर्युक्त समाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने की वजह से भावित किया गया है। किंतु एक वर्षों के लिये उत्पादन करने वाले एवं विविध अवधिकारी हैं, मध्यप्रदेश आज कई मायानों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्मनिर्भर हो चुका है। इस संबंध में जातियों का धरणा के लिये उपर्युक्त समाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने की वजह से भावित किया गया है। किंतु एक वर्षों के लिये उत्पादन करने वाले एवं विविध अवधिकारी हैं, मध्यप्रदेश आज कई मायानों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्मनिर्भर हो चुका है। इस संबंध में जातियों का धरणा के लिये उपर्युक्त समाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने की वजह से भावित किया गया है। किंतु एक वर्षों के लिये उत्पादन करने वाले एवं विविध अवधिकारी हैं, मध्यप्रदेश आज कई मायानों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्मनिर्भर हो चुका है। इस संबंध में जातियों का धरणा के लिये उपर्युक्त समाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने की वजह से भावित किया गया है। किंतु एक वर्षों के लिये उत्पादन करने वाले एवं विविध अवधिकारी हैं, मध्यप्रदेश आज कई मायानों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्मनिर्भर हो चुका है। इस संबंध में जातियों का धरणा के लिये उपर्युक्त समाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने की वजह से भावित किया गया है। किंतु एक वर्षों के लिये उत्पादन करने वाले एवं विविध अवधिकारी हैं, मध्यप्रदेश आज कई मायानों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्मनिर्भर हो चुका है। इस संबंध में जातियों का धरणा के लिये उपर्युक्त समाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने की वजह से भावित किया गया है। किंतु एक वर्षों के लिये उत्पादन करने वाले एवं विविध अवधिकारी हैं, मध्यप्रदेश आज कई मायानों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्मनिर्भर हो चुका है। इस संबंध में जातियों का धरणा के लिये उपर्युक्त समाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने की वजह से भावित किया गया है। किंतु एक वर्षों के लिये उत्पादन करने वाले एवं विविध अवधिकारी हैं, मध्यप्रदेश आज कई मायानों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्मनिर्भर हो चुका है। इस संबंध में जातियों का धरणा के लिये उपर्युक्त समाजिक और शैक्षणिक र

इटावा, मथुरा, हरदोई

‘कृष्णा’ को श्रीकृष्ण की नगरी में मिला जीवनदान

■ इटावा, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, जयपुर व दिल्ली जैसे शहरों से हारी, कृष्णा ने कराया केएम हॉस्पिटल में कराया इलाज।

■ कूल्ह दटा, अनुवांशिक गठिया, बेचेट डिसीज व हाईपरसर्विटी सिंड्रोमें से पीड़ित थीं कृष्णा, भगवान् साबित हुए

अवधनामा संचाददाता

मथुरा ‘डाक्टर भगवान् होते हैं’ यह कहावत को चरित्रार्थ किया है केएम सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के हड्डी रोग के डाक्टरों ने जात है कि इटावा निवासी कृष्णा ने कानपुर से भी सेविटी की थी। यही नहीं इको खून की कमी, फेंडड खरब व हाथ पैर से टेंडपन भी था। इन सब परेशानी के चलते इटावा, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, जयपुर व अल्पांग खुश है व डा. हर्षित जैन व उनकी टीम को भगवान् रूप बता रही है। गोल्ड मेडलिंस्ट डा. हर्षित जैन ने बताया कि कृष्णा जीवन करना बहुत ही चुनौतीय था, एक तरफ खरब वह गया था। डाक्टरों ने कूल्हे का ऑपरेशन करने को बताया था, किन्तु मरीज अनुवांशिक गठिया, बेचेट डिसीज व हाईपरसर्विटी सिंड्रोमे से पीड़ित थी। इसके चलते उन्हें काफी दर्दीयों से रिपवन हो जाता था। यहाँ तक की नार्मल स्लाइन से भी सेविटी की थी। यही नहीं इको खून की कमी, फेंडड खरब व हाथ पैर से टेंडपन भी था। निराश हो गई थी। केएम हॉस्पिटल द्वारा सफल इलाज करने के बाद वह अप्याताल खुश है व डा. गोल्ड मेडलिंस्ट डा. हर्षित जैन ने बताया कि कृष्णा जीवन करना बहुत ही चुनौतीय था, एक तरफ खरब वह गया था। डाक्टरों ने कूल्हे

यूपीएससी/नीट/जेईई की निःशुल्क कौशिंग के लिए अग्र्यर्थी 6 जून से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं

अवधनामा ब्लूरो

इटावा। जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रिया शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री अन्यदय योजनानंतर जनपद इटावा में पुलिस मॉडल स्कूल(पुलिस लाइन) इटावा एवं चौ०चरण सिंह पी०जी०कॉलेज हैवरा, इटावा में दिनांक-01.07.2024 से यूपीएससी/नीट/जेईई की निःशुल्क कौशिंग संचालित होनी है। इच्छुक अभ्यर्थी यूपीएससी/नीट/जेईई की निःशुल्क कौशिंग प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी इटावा अथवा पुलिस मॉडल स्कूल(पुलिस लाइन) इटावा एवं चौ०चरण सिंह पी०जी०कॉलेज हैवरा, इटावा में प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि-20.06.2024 की संगत 5:00 बजे तक है। प्रवेश हेतु पात्रता नीट जेईई हेतु कक्ष 11 व 12 में अध्ययनरत अथवा उत्तीर्ण विज्ञान वर्ग के छात्र एवं सिविल सेवा, पीसीएस परीक्षा हेतु स्नातक अन्तिम वर्ष के छात्र अथवा स्नातक उत्तीर्ण छात्र अहं होंगे। किसी भी जानकारी हेतु मो-7017544033, 9557365885 (हैवरा), 9058426017, पर संपर्क कर सकते हैं।

■ नवनिवाचित सांसद पहले पहुंची राधाजी की शरण, बाद में बांके बिहारी की पूजा की

अवधनामा संचाददाता

मथुरा। सपा की नवनिवाचित सांसद दिल्ली यादव बुधवार की देर समय आठ बजे सबसे पहले बरसाना में श्री राधारामी के दर्शनों के लिए पहुंची। यहाँ के बाद वे अपनी पुत्री के साथ बुधवार के दर्शनों के लिए पहुंचकर जून आर्मी दिल्ली में पहुंचकर जून आर्मी दिल्ली में आवंता की।

लोकसभा चुनावों में यूपी में सपा बड़ी पार्टी के रूप में उभरने पर पूर्व मुख्यमंत्री की पत्नी व लोकसभा चुनावों में सपा की दमदार जीत व स्वयं की लोकसभा सदस्य बनने की खुशी में रत्न आठ बजे बरसाना पहुंची जहाँ उन्होंने राधा रामी के दर्शन कर पूजा अर्चना की। दर्शनों के दौरान सेवायत मध्यमांतर गोस्वामी, राहुल गोस्वामी ने सांसद का राधा रामी की चुनावी व आपानी छेंट कर स्वागत किया।

बुधवार की रत्न आठ बजे यूपी



पहुंची राधाजी की शरण, बाद में बांके बिहारी की पूजा की

अवधनामा संचाददाता

मथुरा। पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और हमें अपनी आजे आने वाली पीड़ियों के लिए पर्यावरण को स्वच्छ और स्वस्य रखने की आवश्यकता है, यह बात विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केएम विश्वविद्यालय के गुलाधिपति किशन वौधारी ने विवेच के केम्पस में वृक्षारोपण के दौरान कही। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केएम हॉस्पिटल यादव विद्यालय के प्राणीं पर विभिन्न छायाचार वृक्षों जैसे पीपल, बीम, जामुन, पायर, कांची के दर्शन करना भगवान् जीवन का दर्शन करने की इच्छा थी।

बरसाना के बाद तीव्र आठ बजे बरसाना में वृक्षारोपण के दौरान कही गयी। डिप्लम यादव राजनीतिक सभलों से दूर ही और उन्होंने अपनी धार्मिक यात्रा तात्काल कर किया कि प्राप्त लंबे अंतराल पर तारीक रूप बता रहे थे। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और नीचे बढ़े टैंक में सिर के बल जा गिरे। दुर्घटना के समय वह किसी के नहोने के कारण वह तारीक रूप देख रहा था। उनकी देह के ऊपर जारी रही अपेक्षा वह अपने घर में उत्तम स्विकार कर सकते हैं।

उनकी देह के ऊपर जारी रही अपेक्षा वह अपने घर में उत्तम स्विकार कर सकते हैं।

■ यादि उपन्यास और कल्पना वास्तविक हैं और हमारी जीरन्तों को पूरा करते हैं, तो यह सच्ची कल्पना है: प्रो. कुहूस जावेद

■ हमें प्रगतिवाद, आधुनिकता और उत्तर-आधुनिकता के परिप्रेक्ष्य को भी समझना होगा: प्रो. समीर अफाहीम

अवधनामा संचाददाता

मथुरा। यहाँ के बाद वे अपने लेखन के माध्यम से अध्ययनरत तत्वावादी के दर्शन करने के लिए आगे आते चला गया। यह बात विश्वविद्यालय के गुलाधिपति किशन वौधारी ने आयोजित किया। जिसके दौरान कहा गया था कि आज यहाँ के दर्शन करने के लिए आठ बजे बरसाना में वृक्षारोपण करने की इच्छा है।

■ यहाँ जानकारी नहीं तो हमारा जीरना की शरण, बाद में बांके बिहारी की पूजा की

अवधनामा संचाददाता

मथुरा। यहाँ जानकारी नहीं तो हमारा जीरना की शरण, बाद में बांके बिहारी की पूजा की। विश्वविद्यालय के गुलाधिपति किशन वौधारी ने आयोजित किया। जिसके दौरान कहा गया था कि आज यहाँ के दर्शन करने की इच्छा है।

■ यहाँ जानकारी नहीं तो हमारा जीरना की शरण, बाद में बांके बिहारी की पूजा की

अवधनामा संचाददाता

मथुरा। यहाँ जानकारी नहीं तो हमारा जीरना की शरण, बाद में बांके बिहारी की पूजा की।

■ यहाँ जानकारी नहीं तो हमारा जीरना की शरण, बाद में बांके बिहारी की पूजा की

अवधनामा संचाददाता

मथुरा। यहाँ जानकारी नहीं तो हमारा जीरना की शरण, बाद में बांके बिहारी की पूजा की।

■ यहाँ जानकारी नहीं तो हमारा जीरना की शरण, बाद में बांके बिहारी की पूजा की

अवधनामा संचाददाता

मथुरा। यहाँ जानकारी नहीं तो हमारा जीरना की शरण, बाद में बांके बिहारी की पूजा की।

■ यहाँ जानकारी नहीं तो हमारा जीरना की शरण, बाद में बांके बिहारी की पूजा की

अवधनामा संचाददाता

मथुरा। यहाँ जानकारी नहीं तो हमारा जीरना की शरण, बाद में बांके बिहारी की पूजा की।

■ यहाँ जानकारी नहीं तो हमारा जीरना की शरण, बाद में बांके बिहारी की पूजा की

अवधनामा संचाददाता

मथुरा। यहाँ जानकारी नहीं तो हमारा जीरना की शरण, बाद में बांके बिहारी की पूजा की।

■ यहाँ जानकारी नहीं तो हमारा जीरना की शरण, बाद में बांके बिहारी की पूजा की

अवधनामा संचाददाता

मथुरा। यहाँ जानकारी नहीं तो हमारा जीरना की शरण, बाद में बांके बिहारी की पूजा की।

■ यहाँ जानकारी नहीं तो हमारा जीरना की शरण, बाद में बांके बिहारी की पूजा की

अवधनामा संचाददाता

मथुरा। यहाँ जानकारी नहीं तो हमारा जीरना की शरण, बाद में बांके बिहारी की पूजा की।

■ यहाँ जानकारी नहीं तो हमारा जीरना की शरण, बाद में बांके बिहारी की पूजा की

अवधनामा संचाददाता

मथुरा। यहाँ जानकारी नहीं तो हमारा जीरना की शरण, बाद में बांके बिहारी की पूजा की।

■ यहाँ जानकारी नहीं तो हमारा जीरना की शरण, बाद में बांके बिहारी की पूजा की

अवधनामा संचाददाता

